Name: Sample, DOB: 18:10:2005

TOB: 01:45:00, PLACE: Ballia ()

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

Ph: 9818193410

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्येयं महाद्युतिम्। तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्। नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्। कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्। सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम्। बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्। सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्। सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्। रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम्।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्भवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।।

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूं। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरुप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूं। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूं। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूं। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूं। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक्र को मैं प्रणाम करता हूं। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छाया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूं। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूं। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूं। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्री–पुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

ग्रह स्थिती

Sample

ग्रह	राशि	अंश	गति	विशेष
लग्न	सिहं	004:11:09	मघा(2)	
सूर्य	तुला	000:37:09	चित्रा(3)	नीच राशि
चन्द्रमा	मेष	005:00:01	अश्विनी(2)	सम राशि
मंगल	मेष	027:34:06	कृतिका(1)	स्व राशि
बुध	तुला	019:34:33	स्वाति(4)	मित्र राशि
बृहस्पति	तुला	004:15:42	चित्रा(4)	शत्रु राशि
शुक्र	वृश्चिक	016:48:50	ज्येष्ठा(1)	सम राशि
शनि	कक्र	016:13:34	पुष्य(4)	स्व नक्षत्र
राहु	मीन	019:02:17	रेवती(1)	सम राशि
केतु	कन्या	019:02:17	हस्ता(3)	सम राशि
हर्षल	कुम्भ	013:15:10	शतभिषा(2)	.....
नेपच्यून	मकर	020:54:11	श्रवण(4)	.....
प्लूटो	वृश्चिक	028:25:56	ज्येष्ठा(4)	.....

Transit

ग्रह	राशि	अंश	गति	विशेष
लग्न	वृश्चिक	019:42:37	ज्येष्ठा(1)	
सूर्य	सिहं	021:11:40	पुर्वफाल्ग(3)	स्व राशि
चन्द्रमा	मिथुन	006:46:01	अरिद्रा(1)	मित्र राशि
मंगल	कन्या	013:22:36	हस्ता(2)	शत्रु राशि
बुध	सिहं	017:42:50	पुर्वफाल्ग(2)	मित्र राशि
बृहस्पति	मेष	021:22:23	भरणी(3)	मित्र राशि
शुक्र	कक्र	018:21:40	अश्लेषा(1)	शत्रु राशि
शनि	कुम्भ	008:45:22	शतभिषा(1)	स्व राशि
राहु	मेष	002:45:54	अश्विनी(1)	शत्रु राशि
केतु	तुला	002:45:54	चित्रा(3)	शत्रु राशि
हर्षल	मेष	028:50:46	कृतिका(1)	.....
नेपच्यून	मीन	002:23:32	पूर्वाभाद(4)	.....
प्लूटो	मकर	003:57:01	उत्तरा(3)	.....

Sample

लग्न कुण्डली

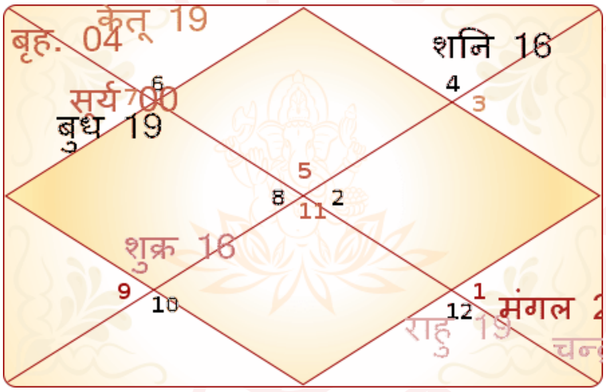

नवांश कुण्डली

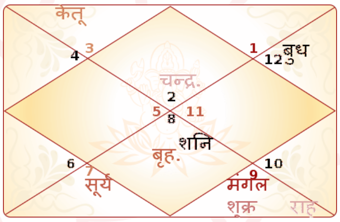

चन्द्र कुण्डली

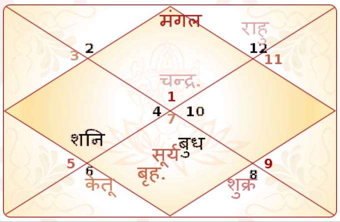

Transit

नवांश कुण्डली

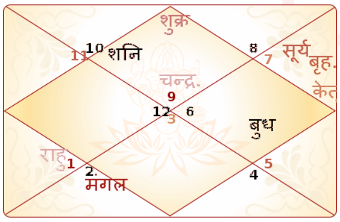

चन्द्र कुण्डली

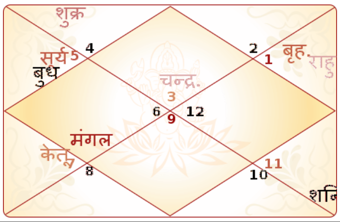

लग्न कुण्डली

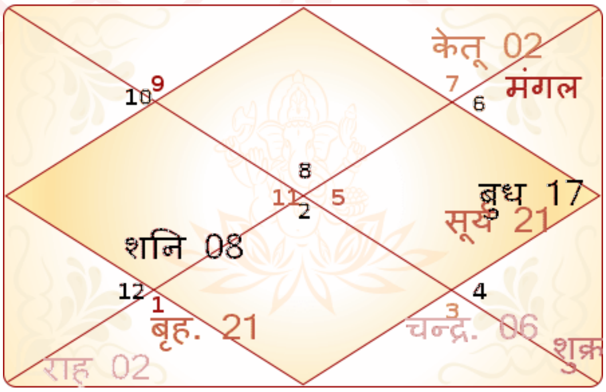

ग्रहों के गोचर का फल

गोचर कुण्डली में सूर्य आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से पांचवें भाव में भ्रमण कर रहा है। यह सूर्य का सबसे अशुभ गोचर है, आपको बहुत ही सतर्क एवं सावधान रहने की जरूरत है। आपके कार्य स्थल पर स्थितियां पूर्णतया आपके विपरीत होंगी और आपको मानसिक कष्ट पहुँचा सकती हैं। अगर गोचर कुण्डली में दूसरे अन्य ग्रह भी शुभ स्थिति में नहीं हैं तो आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है और आप अपने किये हुए वादों को न निभा पाने की वजह से अपमानित महसूस कर सकते हैं। यह गोचर आपकी संतानों के लिए भी शुभ नहीं है, उनमें से किसी एक का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का कारण बन सकता है।

भाद्र महीने के दौरान सूर्य इस गोचर कुण्डली में होगा (16–17 अगस्त से 16–17 सितम्बर तक)।

चन्द्रमा गोचर कुण्डली में अपनी राशि से तीसरे भाव में भ्रमण कर रहा है। यह गोचर अतिभाग्यशाली है और आप एक–दो दिन सुखपूर्वक रहेंगे। आप अपने विवाहित सम्बन्धियों और मित्रों के साथ आनन्दपूर्वक रहेंगे। आप खुशी के लिए किसी कम दूरी के स्थान की यात्रा कर सकते हैं और आपके सारे कार्य सफलतापूर्वक समाप्त होंगे। आपके कार्यस्थल पर भी स्थितियां सामान्य होंगी और घरेलू जीवन सुखमय एवं शांतिमय होगा।

गोचर कुण्डली में मंगल आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से छठे भाव में भ्रमण कर रहा है। यह एक शुभ गोचर है और आप कई मामलों में भाग्यशाली होंगे। आप प्रतियोगी परीक्षाओं, मुकदमेंबाजी, वाद–विवाद इत्यादि में विजयी होंगे। आपके शत्रुओं की पराजय होगी और संघर्ष समाप्ति पर अपने को तरो–ताजा महसूस करेंगे। आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा, आप अपने सारे कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे तथा आपको अनेक स्रोतों से धन की प्राप्ति होगी।

गोचर कुण्डली में बुध आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से पांचवें भाव में भ्रमण कर रहा है। यह एक शुभ गोचर नहीं है। आपको अति उत्साह से कार्य नहीं करना चाहिए। कहीं निवेश करते समय या उधार देते समय आपको कई बार सोच–विचार करना चाहिए, अन्यथा हानि सुनिश्चित है। आपकी संतान आपके लिए चिन्ता के कारण होंगे और जीवनसाथी के व्यवहार से आप नाखुश हो सकते हैं। आप अपने–आप को काफी परेशान महसूस कर सकते हैं, जिससे मनोरंजन के लिए कहीं बाहर जाने पर भी आप आनन्द से परे रह सकते हैं।

गोचर कुण्डली में बृहस्पति आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से भ्रमण कर रहा है। यह एक शुभ गोचर नहीं है और यह आपके दिमाग में पूरी तरह से असंतोष का संचार कर सकता है। आप अपने आस–पास के लोगों से नाखुश हो सकते हैं और आपकी उनसे समझौता करने की कोशिश भी नाकाम होगी। आप बदलाव का निश्चय करेंगे और बदले माहौल में अपना भाग्य आजमायेंगे। आपको जल्दबाजी में निर्णय लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुँचने से बचना चाहिए, क्योंकि आप कुछ गलत फैसले भी कर सकते हैं। आपका खर्च असाधारण रूप से बढ़ जायेगा।

गोचर कुण्डली में शुक्र आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से चौथे भाव में भ्रमण कर रहा है। यह गोचर अत्यन्त शुभ है और आप कई मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको एक से अधिक स्रोतों से धन की प्राप्ति होगी और आपका घरेलू जीवन सुखमय और शांतिमय होगा। आपके परिवार में कोई शुभ आयोजन या मिलन हो सकता है, जिसकी वजह से आपका घर खुशियों से भरा होगा। आपका दिमाग, यादाश्त, सोच, बौद्धिक क्षमता तथा निर्णय क्षमता काबिले तारीफ होगी।

गोचर कुण्डली में शनि आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से ग्यारहवें भाव में भ्रमण कर रहा है। यह एक अत्यन्त शुभ गोचर है और आप कई मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपके मित्रों के दायरे में वृद्धि होगी और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपकी आमदनी में अपार वृद्धि होगी और एक से अधिक स्रोतों से धन की प्राप्ति होगी। आपकी धन–संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको काफी खुशी महसूस होगी और परम संतोष के साथ जीवन का आनन्द लेंगे। अगर अन्य ग्रह भी शुभ गोचर कुण्डली में हैं तो आपको सम्मान का लाभ मिलेगा।

गोचर कुण्डली में राहु आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से भ्रमण कर रहा है। यह एक शुभ गोचर नहीं है और आप कुछ बीमारियों के शिकार हो सकते हैं, जो कि आंतरिक रूप से गंभीर हो सकती हैं। परिस्थितियों में अचानक बदलाव के कारण आपके आस–पास के वातावरण की शांति प्रभावित हो सकती है। आपके कार्यस्थल की परिस्थितियां हतोत्साहित करने वाली हो सकती हैं और आपके जीवनसाथी की बिगड़ती हुई स्वास्थ्य के कारण आप चिन्तित हो सकते हैं। आप असमंजस में हो सकते हैं या घबड़ा सकते हैं। अगर कुछ दूसरे ग्रह भी अशुभ गोचर कुण्डली में हैं तो उधार दिये हुए पैसे आपको वापस नहीं मिल सकते हैं या किसी से कर्ज लिए हुए पैसे आप वापस करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं।

गोचर कुण्डली में केतु आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से सातवें भाव में भ्रमण कर रहा है। यह शुभ गोचर नहीं है। आपको सावधान और सचेत रहना चाहिए। नये सम्बन्ध बनाते समय आपको काफी सोच–विचार करना चाहिए और खासकर विपरीत लिंगी व्यक्तियों के मामले में काफी सर्तक रहना चाहिए। ऐसे लोगों द्वारा प्रस्तावित कोई भी प्रस्ताव आपको हानि पहुँचा सकती है। आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है – यह और भी अधिक हो सकता है, यदि सूर्य ग्रहण लगा हो और आपके जन्मस्थान से ग्रहण दिखता हो।

Disclaimer

The calculations, future predictions, and remedies given in this Astrological Report are all based on the principles of either on Vedic Astrology, KP System, Jaimini or Lal Kitab, Numerology which are the result of consulting and engaging highly learned astrologers and astrology practitioners. This Report will prove to be highly useful for astrologers and practitioners of Astrology. We earnestly request the common users of this Report that they should not follow the Lal Kitab and or other prediction/remedies given in this Report without consulting a learned astrologer or an expert on this subject. Failing to do so might lead you to unexpected results which may or may not be favorable towards your well-being.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies makes no warranty about the accuracy of any data contained herein, and the native is advised to not to take as conclusive any prediction generated for him. If you follow the advice given in this report you do so at your own risk, ww.webjyotishi.com/ MindSutra Software Technologies or any of its associates are not responsible for the consequence of any event or action.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies shall not stand liable for any damages or harm done.

All disputes are subject to New Delhi Jurisdiction only.

Wishing the very best – prosperity and happiness.

Mindsutra Software Technologies
www.mindsutra.com
Ph: 9818193410